पाठ - 1

आगे बढ़ते जाएँगे

* शब्दार्थ

1) जननी - माता, माँ (यहाँ भारत माता)
2) परवाह - चिंता
3) झड़ी - लगातार बारिश
4) दीनों - गरीबों
5) टेक - हठ, संकल्प

* रिक्त स्थान

1) जननी की जय - जय गाएँगे।
2) दुख की हमको परवाह नहीं।
3) चाहे वर्षा की लगे झड़ी।
4) दीनों का कष्ट हरेंगे हम।
5) हम अपनी टेक निभाएँगे।

* सही / गलत

1) हमें लोगों की परवाह नहीं है। ×
2) मनुष्य जहाँ जन्म लेता है वह उसकी मातृभूमि कहलाती है। ✓
3) कविता "आगे बढ़ते जाएँगे" के कवि सोहनलाल द्विवेदी है। ✓
4) कड़ी धूप होने और वर्षा की झड़ी लगने पर हमें अपने पाँव पीछे हटाने चाहिए। ×

Scanned by CamScanner

Page No.
Date : / /20

* सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाइए

1) हमें किसकी परवाह नहीं है?

अ) सुख की ब) दुख की ✓
क) संपत्ति की ड) लोगों की

2) किन स्थितियों में हमें अपने पाँव पीछे नहीं हटाना चाहिए?

अ) सामने गहरी खाई दिखाई देने पर
ब) किसी हिंसक जीव के सामने आने पर
क) कड़ी धूप होने और वर्षा की झड़ी लगने पर ✓
ड) नदी में बाढ़ आ जाने पर

3) कविता 'आगे बढ़ते जाएँगे' के कवि हैं -

अ) रामधारी सिंह 'दिनकर'
ब) गोपाल सिंह 'नेपाली'
क) रामनरेश त्रिपाठी
ड) सोहनलाल द्विवेदी ✓

* एक वाक्य में उत्तर

1) हम किसका जयगान करेंगे?
उ. भारतमाता का
2) हमें किस चीज की चाह नहीं है?
उ. सुख की
3) किसका कष्ट हम दूर करेंगे?
उ. दीन-दुखियों का

Scanned by CamScanner

4) हम किस तरफ़ बढ़ते जाएँगे ?
उ. संकल्प की ओर

* प्रश्न - उत्तर

1) हम आगे बढ़ते हुए क्या करेंगे ?
उ. आगे बढ़ते हुए हम अपनी मातृभूमि की जय के गीत गाएँगे।

2) कवि किन - किन चीज़ों को न्योछावर करने की बात कह रहे हैं ?
उ. कवि अपनी मातृभूमि पर तन, मन, धन और जीवन न्योछावर करने की बात कह रहे हैं।

3) हम अपने पैर पीछे नहीं हटाएँगे ?
उ. चाहे कड़ी धूप हो या तेज़ बारिश हो रही हो, किसी भी परिस्थिति में हम अपने पैर पीछे नहीं हटाएँगे।

4) 'माता के लिए मरने' का तात्पर्य क्या है ?
उ. माता के लिए मरने का अर्थ है मातृभूमि की रक्षा में प्राण न्योछावर कर देना।

5) हम कौनसी टेक किस प्रकार निभाएँगे ?
उ. दीन - दुखियों के दुखों को दूर करने और मातृभूमि की रक्षा करने के लिए अपने प्राण देकर हम अपनी टेक निभाएँगे।

शब्द - संपदा

प्र.1 दिए गए शब्दों का पर्यायवाची शब्दों के साथ मिलान कीजिए.

Scanned by CamScanner

	वर्ग के	वर्गीय	उत्तर
1	जननी	पद, पैर, चरण	4
2	दुख	आलय, धाम	3
3	धूप	इच्छा, कामना, अभिलाषा	5
4	पग	माता, माँ, अंबा	1
5	चाह	कष्ट, पीड़ा, व्यथा	2

प्र-2 निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए

मन - विचार शक्ति, हृदय, चित्त
तन - शरीर, देह
प्राण - वायु, जीवनी-शक्ति

☆ निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए :-

क) तन-मन-धन-प्राण चढ़ाएँगे,
हम आगे बढ़ते जाएँगे।

उ:→ कवि कह रहे हैं कि अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए और उसे विकास के मार्ग पर आगे ले जाने के लिए ~~हम~~ हम अपना शरीर, अपने विचार, अपनी संपत्ति सभी कुछ न्योछावर कर देंगे। अब देश को आगे बढ़ाने वाले हमारे कदम रुकेंगे नहीं।

ख) दीनों का कष्ट हरेंगे हम,
माता के लिए मरेंगे हम।
हम अपनी टेक निभाएँगे,
हम आगे बढ़ते जाएँगे।

उ:→ कवि कह रहे हैं कि हम देश के दीन-दुखियों के कष्टों को दूर करने का प्रयास करेंगे। यदि आवश्यकता पड़े तो भारत माता के लिए जान भी देने को तैयार रहेंगे। देश की सुरक्षा और विकास

Scanned by CamScanner

Page No.
Date: / /201

के लिए जो निर्णय हमने लिए हैं, उन्हें हम अवश्य पूरा करेंगे। अब हम अपने पैर पीछे नहीं हटाएँगे। आगे ही बढ़ते जाएँगे।

Scanned by CamScanner